गुरु जी मेरा अवगुण भरा शरीर

गुरु जी मेरा अवगुण भरा शरीर बता दो कैसे तारोंगे,
बता दो कैसे तारोंगे, समझा दो कैसे तारोंगे,
गुरु जी मेरा अवगुण भरा शरीर....

ना मैं गंगा जमुना नहाई,
हर की पौड़ी जा नहीं पाई,
गुरु जी मेरी माड़ी है तकदीर बता दो कैसे तारोगे,
गुरु जी मेरा अवगुण भरा शरीर....

ना मैंने बड़ पीपल सीचे,
सब दिन मोह माया में बीते,
गुरुजी मैंने ना दिया तुलसी में नीर बता दो कैसे तारोगे,
गुरु जी मेरा अवगुण भरा शरीर....

ना मैंने मंदिर तीरथ धोए,
ना पितरों पर शीश झुकाए,
गुरु जी मुझे कोई बताओ तरकीब बता दो कैसे तारोगे,
गुरु जी मेरा अवगुण भरा शरीर....

भूखे को जलपान दिया ना,
निर्धन को धन दान दिया ना,
गुरु जी मैं तो ऐसी हुई बेपीर बता दो कैसे तारोगे,
गुरु जी मेरा अवगुण भरा शरीर....

ना मैं राधा ना मैं मीरा,
ना करमा बाई ना मैं सीता,
गुरु जी मेरी तुम ही हो जागीर बता दो कैसे तारोगे,
गुरु जी मेरा अवगुण भरा शरीर....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/29883/title/guru-ji-mera-avgun-bhra-shreer

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |